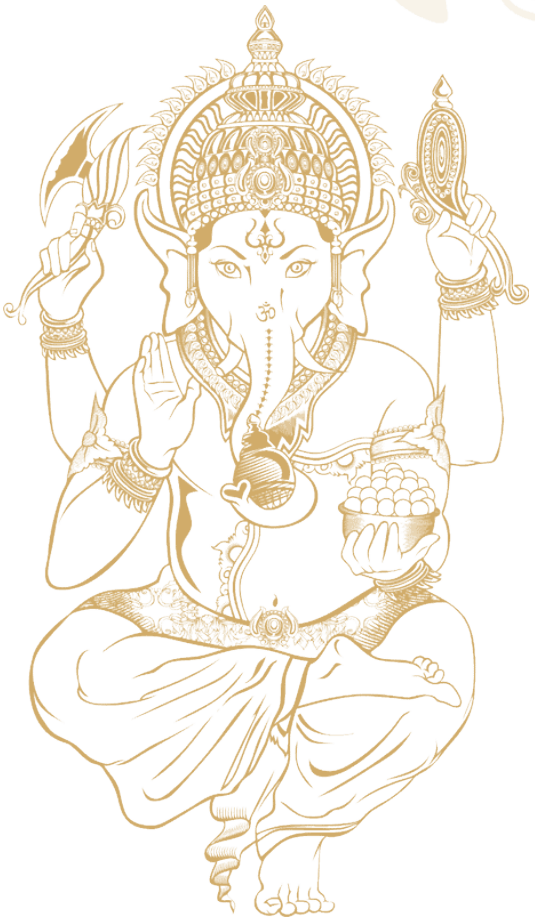

Hitesh

Shivani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119611303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/06/1991	जन्म तिथि	26-27/08/1995
शुक्र-शनिवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 03:30:00	जन्म समय	04:35:00 घंटे
घटी 55:24:23	जन्म समय(घटी)	56:43:45 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Delhi
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:20:14	सूर्योदय	05:55:47
19:15:48	सूर्यास्त	18:49:52
23:44:30	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:56

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 12वर्ष 1मा 4दि		21:38:34	मेष	लग्न	कर्क	21:09:05	शुक्र 12वर्ष 0मा 7दि	
शुक्र		22:54:28	वृष	सूर्य	सिंह	09:26:13	मंगल	
12/07/2010		20:30:51	मीन	चंद्र	सिंह	18:39:08	04/09/2023	
12/07/2030		13:33:30	कर्क	मंगल	कन्या	28:48:14	03/09/2030	
शुक्र	10/11/2013	11:52:02	वृष	बुध	कन्या	03:18:17	मंगल	31/01/2024
सूर्य	11/11/2014	16:23:02	कर्क	गुरु	वृश्चि	12:36:58	राहु	17/02/2025
चन्द्र	11/07/2016	08:07:39	कर्क	शुक्र	सिंह	11:04:20	गुरु	24/01/2026
मंगल	11/09/2017	12:43:24	मक व	शनि व	कुंभ	28:56:07	शनि	05/03/2027
राहु	10/09/2020	25:38:49	धनु व	राहु व	तुला	03:57:47	बुध	01/03/2028
गुरु	12/05/2023	25:38:49	मिथु व	केतु व	मेष	03:57:47	केतु	28/07/2028
शनि	12/07/2026	19:06:15	धनु व	हर्ष व	मक	03:22:16	शुक्र	27/09/2029
बुध	12/05/2029	22:24:24	धनु व	नेप व	धनु	29:22:17	सूर्य	02/02/2030
केतु	12/07/2030	24:29:05	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	04:06:42	चन्द्र	03/09/2030

लग्न-चलित

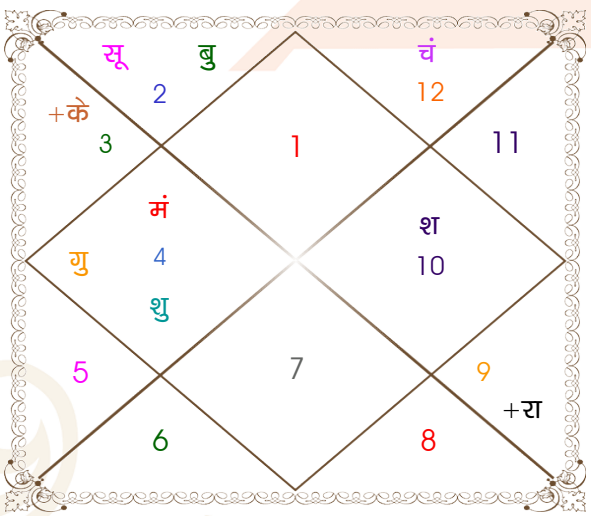

लग्न-चलित

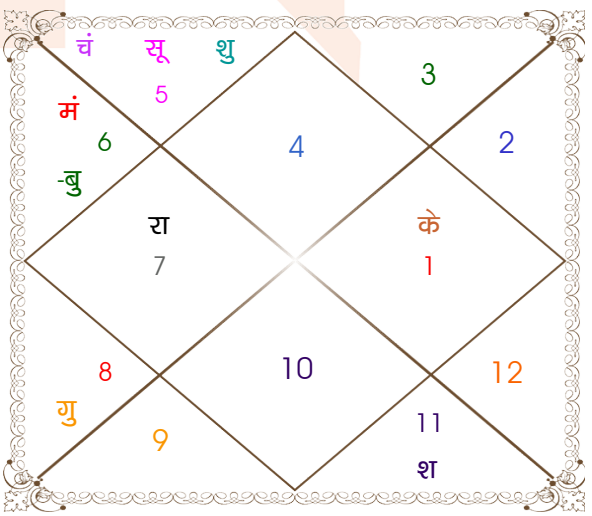

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	वनचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Hitesh का वर्ग सर्प है तथा Shivani का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Hitesh और Shivani का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Hitesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Hitesh कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Hitesh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Hitesh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Shivani मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Shivani कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Shivani कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Hitesh तथा Shivani में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।